Important Questions for Class 12

Hindi Antra

बनारस/दिशा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न **1 अंक**

1. कवि बनारस कविता में किसकी विशेषता का वर्णन करता है?

उत्तर: कवि ने बनारस कविता में बनारस शहर में बसंत ऋतु के समय होते परिवर्तनों के बारे में बताया है। इसके अलावा बनारस शहर के मंदिरों और नदियों की विशेषताओं को कवि ने कविता में बताया है।

2. निम्न शब्दों का विलोम शब्द लिखिए।

आधा, शव, स्वीकार

उत्तर: आधा – पूरा

शव – जिंदा

स्वीकार – अस्वीकार

3. निम्न शब्दों का शब्दार्थ लिखिए।

दृढ़ता, समूचे, घुसना

उत्तर: दृढ़ता – पक्का निश्चय करना

समूचे – सारा

घुसना – अंदर आना

4. निम्न शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

शहर, घाट, आलोक

उत्तर: शहर – नगर, सिटी

घाट – सेतु, बांध, तट

आलोक – उजाला, चमक, रोशनी

5. मैंने उस बच्चे से…….उड़ा रहा था। रिक्त स्थान को पूरा करों।

उत्तर: मैंने उस बच्चे से पूछा जो स्कूल के बाहर पतंग उड़ा रहा था।

लघु उत्तरीय प्रश्न **2 अंक**

6. मुहल्ले में धूल क्यों छा जाती है?

उत्तर: कवि शहर में अचानक वसंत के आने के बारे में बताता है कि उसके आ जाने से धूल का एक बवंडर उठता है। जिसके कारण पूरा वातावरण बदल जाता है। इसलिए सारा वातावरण बदलने के साथ मुहल्ले में धूल वसंत के अचानक आ जाने से छा जाती है।

7. कवि द्वारा बनारस के भिखारियों का क्या उल्लेख किया गया है?

उत्तर: कवि बनारस के भिखारियों के बारे में कहता है कि वसंत के आ जाने से उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक आ जाती है। वसंत के आने के साथ उनका जो खालीपन है, वह भी भर जाता है। उनके कटोरों में वसंत एक नई उम्मीद के साथ उतर जाता है।

8. 'बच्चे का उधर-उधर कहना' प्रस्तुत पंक्तियों का अभिप्राय स्पष्ट करो।

उत्तर: जब कवि ने पतंग उड़ा रहे बच्चे से पूछा की हिमालय किधर है तो बच्चे ने उधर-उधर कहकर कवि को बताया। उधर-उधर कहना से अभिप्राय है की हिमालय उस दिशा में है जिस दिशा में बच्चा अपनी पतंग उड़ा रहा है।

9. बनारस शहर की तीन विशेषताएं लिखो।

उत्तर: बनारस शहर की विशेषता है की–

1) आज भी गंगा नदी वहीं पर है।
2) सैकड़ों वर्षों बाद भी तुलसीदास के खड़ाऊ वहीं पर रखे हुए है।
3) यह भारत के सबसे पुराने शहरों में से एक है।

इस प्रकार इस शहर की विशेषता है की इसकी जो चीज पहले जहाँ थी आज भी वैसी ही वहीं पर है।

10. धीरे-धीरे शब्द के माध्यम से बनारस शहर के बारे में कवि क्या संकेत देता हैं?

उत्तर: धीरे-धीरे शब्द के माध्यम से कवि बनारस शहर की सामूहिक लय को दर्शाता है। बनारस में सभी काम धीरे-धीरे होने की बात की है क्योंकि बनारस शहर कि हवा भी धूल को धीरे-धीरे उड़ाती है, लोग धीरे-धीरे चलते है आदि।

लघु उत्तरीय प्रश्न **3 अंक**

11. इस शहर में वसंत .....जीभ किरकिराने लगती है। प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट करे।

उत्तर: कवि प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से कहना चाहता है कि जब भी बनारस शहर में बसंत आया है तो वह चारों तरफ धूल उड़ाते हुए अपने साथ लेके आया है। सारा मोहल्ला धूल से भर जाता है जिसके कारण लोगो को अपनी जीभ पर किरकिरापन महसूस होता है। जिससे यह स्पष्ट होता है की वसंत ऋतू का आगमन हो चूका है।

12. जो है वह सुगबुगाता..... मुलायम हो गया है। प्रस्तुत पंक्ति आशय स्पष्ट करो।

उत्तर: इन पंक्तियों का आशय है की जब कवि बनारस में वसंत के आने की बात करता है तो वहां का वातावरण एक दम बदल जाता है। प्रकृति में एक नई चेतना का संचार होता है। ऐसा लगता है जैसे उनका नया जन्म हुआ है। सभी लोगो के मन से कड़वाहट दूर हो जाती है और गंगा के लगातार छूने के कारण वहां के पत्थर अधिक मुलायम हो जाते हैं।

13. बनारस कविता में किसका चित्रण अंकित किया गया है?

उत्तर: बनारस कविता में बनारस शहर की संस्कृति और उसकी विशेषताओं का वर्णन किया गया है ।जो उसे सभी से अलग और अनोखा बनाता है। वहां गंगा नदी का बहना,

लोगों की सामूहिक लय को दर्शाना, सालो पुरानी चीजों का आज तक अपनी जगह पर वैसे के वैसे ही रहना आदि। इसलिए बनारस कविता के माध्यम से बनारस की सुंदरता का चित्रण अंकित किया गया है।

14. आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है। इन पंक्ति का आशय स्पष्ट करो।

उत्तर: आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है। इस पंक्ति का आशय है की गंगा नदी के पानी के द्वारा बार-बार पत्थर को छूने के कारण पत्थर कठोर से मुलायम हो गया है। उसी प्रकार जब वसंत आता है और लोग गंगा नदी में स्नान करते हैं तो उनके मन की सारी कठोरता और कड़वाहट प्रेम और मिठास में बदल जाती है।

15. सीढ़ी पर बैठे बंदरों की आँखों में

एक अजीब सी नमी है,

और एक अजीब सी चमक से भर उठा है।

इन पंक्तियों से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: इन पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है की जब वसंत आता है तो वह केवल मनुष्य को ही नहीं बल्कि पशुओं और जानवरों को भी उत्साहित करता है। बनारस में वसंत आगमन के समय सीढ़ी पर बैठे बंदरों की आंखों में भी एक चमक और नमी है। एक अजीब सा प्रेम उनके अंदर देखने को मिलता है। उन्हें किसी प्रकार का भय या खौफ नहीं है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **5 अंक**

16. बनारस शहर पर वसंत का प्रभाव कैसा है?वर्णन करों।

उत्तर: बनारस शहर में वसंत के अचानक आने से चारों तरफ धूल ही धूल हो गई है जिसके कारण लोगो को किरकिरापन महसूस हो रहा है। लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार होता हैं। सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आंखों में एक अजीब सी नमी का आगमन होता है। भिखारियों का मन भी उल्लास से भर जाता है। उन्हें भी एक नई उम्मीद का आभास होता है। गंगा में स्नान करते समय लोगों के मन से कड़वाहट प्रेम में बदल जाती है। मंदिरों में पूजा के समय का दृश्य अद्भुत होता है। इस प्रकार बनारस में वसंत का प्रभाव लोगों के मन में एक उत्तेजना लाता है।

17. 'खाली कटोरो में वसंत का उतरना' इन पंक्तियों का भावार्थ समझाइए।

उत्तर: खाली कटोरो में वसंत का उतरना पंक्ति का भावार्थ है कि भिखारी अपने हाथों में कटोरा लिए हुए है। वसंत के आने से वे लोग भी खुश हैं। उनमें भी एक उल्लास है। वसंत उनके कटोरो में उतर गया है से अभिप्राय है की वसंत उन लोगों को एक उम्मीद दे रहा है। उन्हें भी इस बात का संतोष है कि वसंत के आने के साथ हमारे खाली कटोरे भी भर जाएंगे। उनकी इच्छाएं भी पूरी होगी। लोग वसंत के समय दान और पुण्य करते हैं जिसके कारण उनके कटोरे भी भर जाएंगे। खाली कटोरो में वसंत का उतरना पंक्ति का भावार्थ यही है।

18. कवि ने बनारस की पूर्णता और रिक्तता को कैसे प्रदर्शित किया?

उत्तर: कवि ने बनारस की पूर्णता और रिक्तता को कविता में दर्शाया है। कवि ने बनारस की पूर्णता को गंगा के तट पर लगी लोगों की भीड़ से प्रदर्शित किया है। किसी न किसी पुण्य कार्य के लिए लोग आते रहते हैं और भीड़ का माहौल रहता है। यह बनारस की पूर्णता को प्रदर्शित करता है। बनारस की रिक्तता को शाम के समय लोगों के वापिस अपने घर जाने

के द्वारा प्रदर्शित किया है। जिससे गंगा का तट खाली हो जाता है। अंधेरे में बिल्कुल शांत वातावरण होता है। इस प्रकार कवि ने बनारस की पूर्णता और रिक्तता को प्रदर्शित किया है।

19. कवि ने बनारस शहर के संदर्भ में धीरे-धीरे का प्रयोग क्यों किया है?

उत्तर: कवि ने बनारस के संदर्भ में धीरे-धीरे का प्रयोग किया है। यह धीरे-धीरे बनारस के लोगों की सामूहिक लय को प्रदर्शित करता है। कवि कहना चाहता है कि बनारस में सभी कार्य धीरे-धीरे होते हैं। दूसरी ओर कवि यह भी कहना चाहता है कि जिस प्रकार सारी दुनिया में किसी के पास किसी के लिए भी समय नहीं होता है वहीँ बनारस के लोग एक दूसरे का सम्मान और अपनों के लिए समय निकालते हैं। जैसे सभी जगह विकास तेजी से हो रहा है और उनकी संस्कृति हम हो गई है। वहीं दूसरी तरफ बनारस में विकास तो हो रहा है। लेकिन वह भी धीरे-धीरे हो रहा है और यह अपनी संस्कृति को अपने साथ लिए हुए है। इसलिए कवि ने कविता में धीरे-धीरे का प्रयोग किया है।

20. बनारस में 'सई साँझ' समय की क्या विशेषता है?

उत्तर: बनारस में सई साँझ की एक अपनी अलग ही विशेषता है। सई साँझ के समय मंदिरों से घंटियों की आवाज आना शुरू हो जाती है। आरती के समय लोगों की भीड़ हो जाती है। सूर्य अस्त होने के साथ-साथ शहर भी ऐसा लगता है, मानो आधा पानी में डूब रहा हो। शाम के समय सभी लोग बेफिक्र हो जाते है। शाम आधा शव में अंतिम सत्य से जागृत कराता है। सभी लोग भक्ति में लीन हो जाते है। अपनी संस्कृति के प्रति निष्ठावान होते है। सई साँझ का ये दृश्य बनारस को सभी जगह से अलग और सुन्दर बनाता है। इसलिए सई साँझ के समय की बनारस में अपनी एक अलग विशेषता है।